भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

मौसम केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश
ईमेल / Email : mausambhopal@gmail.com

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNEMENT OF INDIA

Meteorological Centre, Bhopal, Madhya Pradesh
संपर्क / Phone : 755-2551496

शुक्रवार, 21 मार्च 2025
Friday, 21 March 2025

प्रेस विज्ञप्ति – मध्य प्रदेश में 72 घंटों के दौरान अतिवर्षा

Press Release : Intense Wet Spell in Madhya Pradesh during 72 hours

जारी करने का समय – 13:00 भा.मा.स.
Time of Issue: 13:00 IST

वर्षा के प्रमुख आंकड़े (मिमी में) – ब्योहारी 87.0, ढीमरखेड़ा 30.0, मानपुर 22.5, मझौली 21.4, चंदिया 19.8, देवसर 15.1, कोतमा 15.0, बड़वारा 15.0, उमरियापान 13.4, मझौली 12.0, सिहोरा 11.4, करकेली 9.8, जबेरा 9.0, जयतपुर 9.0, कुसमी 9.0, स्लीमानाबाद 8.0, नौरोजाबाद 7.6, रामपुर 6.5, बरगी 6.4, उमरिया 6.3, सरई 6.2, चित्रंगी 6.0, बरही 5.0, बकाल 5.0, जयसिंहनगर 5.0, तेंदूखेड़ा- दमोह 4.6, माड़ा 4.5, सिहावल 4.2, पाली 4.2, कटनी 4.0, बिलहरी 4.0, गोहपारू 4.0, बरहाई 3.6, सिंगौड़ी 3.3, सिंगरौली 3.3, चांद 3.2, सिवनी 3.2, बहोरीबंद 2.8, अनूपपुर 2.6, पुष्पराजगढ़ 2.4, हर्राई 2.4, मेहंदवानी 2.4, शाहपुरा-डिंडोरी 2.4, बेनीबारी 2.2, बिलासपुर 2.2, जैतहरी 2.0, समनापुर 2.0, रीठी 2.0, विजयराघवगढ़ 2.0, अमरपाटन 2.0, शाहनगर 2.0, छपारा 2.0, बुढ़ार 2.0, सोहागपुर-शहडोल 2.0, निवास 1.6, बिजाडंडी 1.4, सिधी 1.4, रहली 1.2, तमिया 1.0, दमोह 1.0, मैहर 1.0, नैनपुर 1.0, मंडला 1.0, नारायणगंज 1.0, घंसौर 1.0, चुरहट 1.0, आमला 0.9, रीवा-शहर 0.7, सिलवानी 0.3

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां

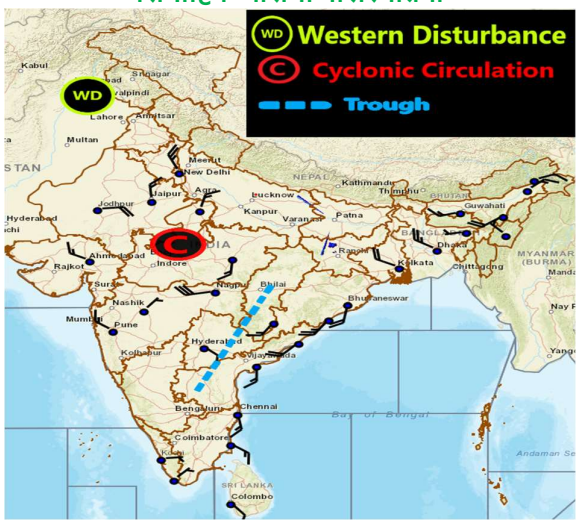

Synoptic Weather Systems

- **पश्चिमी विक्षोभ** मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ट्रफ़ के रूप जिसकी धुरी माध्य समुद्र तल से 5.8 किमी ऊंचाई पर 74° पूर्वी देशांतर व 32 डिग्री उत्तरी अक्षांश के उत्तर में अवस्थित है।
- मध्य प्रदेश के मध्य भागों पर ऊपरी हवा का **चक्रवाती परिसंचरण** माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी ऊंचाई पर अवस्थित है।
- एक **ट्रफ़ /हवा का असंतुलन** अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से दक्षिण आंतरिक कर्नाटक होते हुए तेलंगाना और उत्तर आंतरिक कर्नाटक तक औसत माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी ऊंचाई है।
- 24 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

- The **Western Disturbance** as a trough in middle tropospheric levels with its axis at 5.8 km above mean sea level roughly along Long. 74°E to the north of Lat. 32°N persists.
- The upper air **cyclonic circulation** over central parts of Madhya Pradesh extending upto 1.5 km above mean sea level persists.
- The **trough/wind discontinuity** now runs from south Chhattisgarh to South Interior Karnataka across Telangana and North Interior Karnataka at 1.5 km above mean sea level.
- A **fresh Western Disturbance** is likely to affect Western Himalayan Region from the night of 24th March, 2025.

मौसम का पूर्वानुमान **(Weather Forecast & Warnings)** दिनांक 21.03.2025 की प्रातः 8:30 से 22.03.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
वज्रपात / झंझावात / झोंकेदार हवाएं (40-50 किमी/घंटा) / ओलावृष्टि	कहीं कहीं	अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, मंडला जिलों में ।
वज्रपात / झंझावात / झोंकेदार हवाएं (40-50 किमी/घंटा)	कहीं कहीं	नर्मदापुरम, बैतूल, दतिया, भिंड, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा जिलों में ।
वज्रपात / झंझावात	कहीं कहीं	सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, मैहर ।

मौसम का पूर्वानुमान **(Weather Forecast & Warnings)** दिनांक 22.03.2025 की प्रातः 8:30 से 23.03.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
वज्रपात / झंझावात / झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी/घंटा)	कहीं कहीं	सीधी, रीवा, मऊगंज, अनुपपुर जिलों में ।

डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्रन / Dr. Divya E. Surendran
वैज्ञानिक – डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)
मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

Weather Forecast And Warnings from 21 March 2025 to 25 March 2025
21 मार्च 2025 से 25मार्च 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 21.03.2025

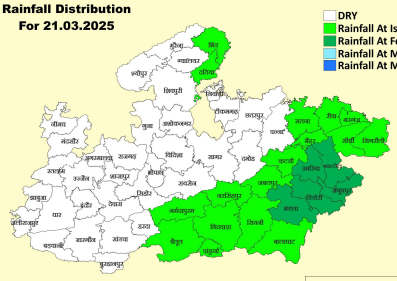

Warnings
For 21.03.2025

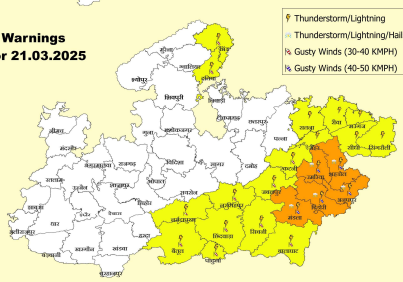

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 22.03.2025

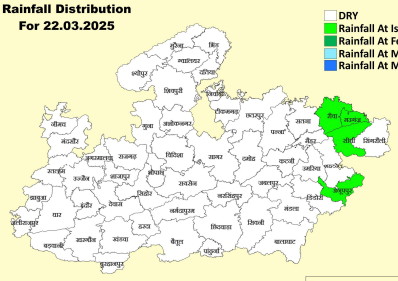

Warnings
For 22.03.2025

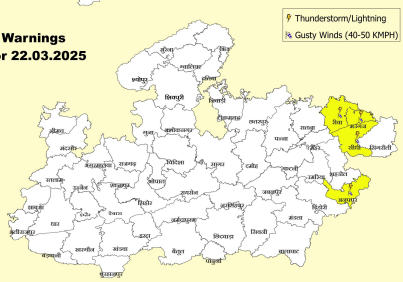

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 23.03.2025

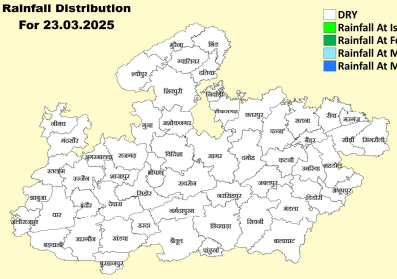

No Warnings
For 23.03.2025

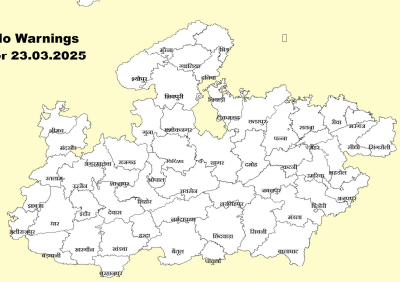

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 24.03.2025

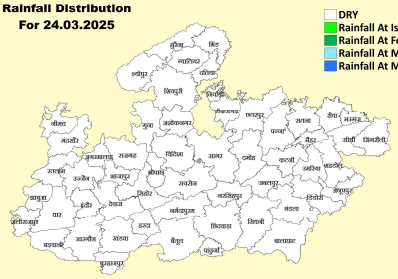

No Warnings
For 24.03.2025

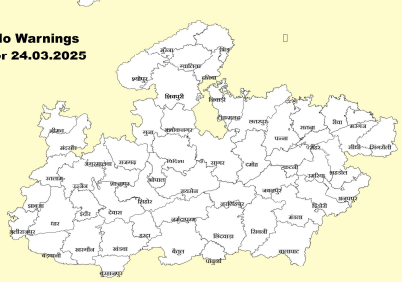

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 25.03.2025

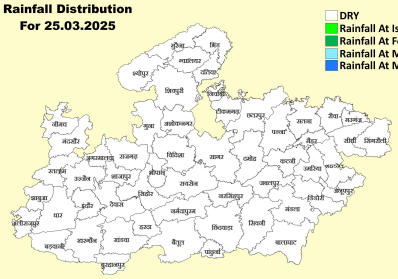

No Warnings
For 25.03.2025

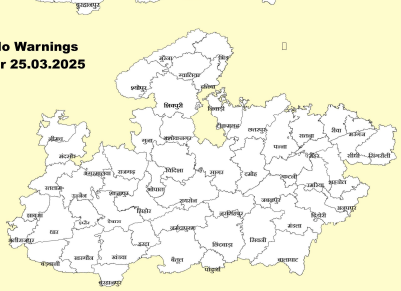

संकेत / Legends
कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds
भारी वर्षा (64.5 – 115.5 मी.मी.)/ Heavy Rainfall (64.5 – 115.5mm)
अतिभारी वर्षा (115.6 – 204.4 मी.मी.)/ Very Heavy Rainfall (115.6 – 204.4mm)
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. या अधिक) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)

सुझाये गए कार्य -

- घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद करें और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।
- पेड़ों के नीचे शरण न लें तथा तूफ़ान के दौरान जल निकायों से तुरंत बाहर निकलें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों का सहारा न लें।
- इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें एवं उन सभी वस्तुओं से दूर रहें जो बिजली का संचालन करती हैं।
- जानवरों को खुले पानी, तालाब या नदी से दूर रखें। रात के समय पशु को खुले स्थान पर न रखें।
- पशुओं का विशेष ध्यान रखें, पशुओं को विशेष संरक्षित एवं सुरक्षित पशु शेड में रखें। सभी जानवरों को रात के दौरान विशेष रूप से संरक्षित और सुरक्षित पशु शेड में रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, दोपहर के समय खेत के जानवरों को खुली चराई की अनुमति न दें।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और स्थानीय अधिकारियों जैसे आधिकारिक स्रोतों से मौसम के पूर्वानुमान और अलर्ट पर नज़र रखें।
- आपातकालीन किट में आवश्यक वस्तुएं जैसे कि जल्दी खराब न होने वाला भोजन, पानी, दवाइयां, टॉर्च, बैटरी और प्राथमिक चिकित्सा किट रखें।
- परिवहन व्यवस्था सहित निकासी के तरीके के बारे में पहले से योजना बना लें
- वेक्टरजनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया से बचाव हेतु प्रशासन द्वारी जारी निर्देशों का पालन करे।
- ओलावृष्टि से बचने के लिए सुरक्षित आश्रय लें और खिड़कियों, कांच के दरवाजों और रोशनदानों से दूर रहें।

कृषकों के लिए विशेष सलाह -

- कृषको को सलाह दी जाती है की 19 मार्च, 2025 से होने वाली वर्षा की गतिविधियों को देखते हुए वे खेतो में चल रही कटाई गतिविधियों को 3 दिनों के भीतर पूरा कर लें एवं कटाई की गई फसलों को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करें।
- यदि अभी तक खेत में खड़ी फसलों की कटाई की गतिविधियाँ शुरू नही हुई है तो उसे एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दें।
- फसल के फूलने और बीज बनने के चरणों में ओलावृष्टि के कारण नुकसान हो सकता है (गेहूँ, चना, सरसों)। जहाँ तक संभव हो, फसल की कटाई को तेज करें और फसलों की सुरक्षा के लिए जाली या तार की बाड़ लगाएं, साथ ही खेत की जलनिकासी को बेहतर बनाएं और मिट्टी को स्थिर करने के लिए मल्च का उपयोग करें।
- फलदार फसलों (आम, पपीता, केला) में ओलावृष्टि और तेज हवाओं से फूल और छोटे फल गिर सकते हैं, साथ ही शाखाओं और पत्तियों को भी नुकसान हो सकता है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।
- ओलावृष्टि के प्रभाव से बचाने के लिए प्लास्टिक शीट्स या कृषि-जाल का उपयोग करें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधें और उन्हें कवर किए गए शेड में रखें ।

Action Suggested -

- Stay indoors, close windows and doors and avoid travel if possible.
- Take safe shelter; do not take shelter under trees and move out of water bodies immediately during a storm.
- Do not lie on concrete floors and do not take support of concrete walls.
- Unplug electrical/electronic equipment and stay away from all objects that conduct electricity.
- Keep animals away from open water, ponds or rivers. Do not keep animals in open spaces at night.
- Take special care of animals, keep animals in specially protected and secure animal sheds. All animals should be kept in specially protected and secure animal sheds during the night. Also, do not allow open grazing of farm animals during afternoon.
- Stay indoors during heavy rainfall, close windows and doors and avoid travel if possible. Take safe shelter; stay away from kutcha and old houses. Follow weather warnings and government guidelines
- Keep an eye on weather forecasts and alerts from official sources like India Meteorological Department (IMD) and local authorities.
- Keep essential items in an emergency kit such as non-perishable food, water, medicines, flashlight, batteries and first aid kit.
- Keep important documents (such as identity card, insurance papers) in a waterproof bag.
- Know the nearest flood shelters, evacuation routes and gathering places designated by local authorities.
- Plan in advance about the mode of evacuation including transport arrangements.
- To avoid hail, take safe shelter and stay away from windows, glass doors.
- Follow guidelines issued by local administration to prevent spread of vector borne diseases.

Special advice for farmers -

- Farmers are advised to complete ongoing harvesting activities within 3 days in view of rainfall activities since 19th March, 2025 and store the cultivated crops safely.
- Postpone harvesting activities of standing crops in the field for a week, if not yet started.
- Due to Hail Damage to flowering and seed setting stages is possible for Cereals (Wheat, Chana, Mustard). Accelerate harvest where feasible and Install netting or wire fences to secure crops as well as enhance field drainage and use mulch to stabilize soil.
- For Fruit Crops (Mango, Papaya, Banana), hail and strong winds may lead to flower and small fruit drop along with branch and leaf damage hereby increasing the risk of infections.
- Use plastic sheets or agro-nets to protect vulnerable crops from hail impact. Tie the animals to a safe place and Keep them in covered sheds.